असल स्टाम्प कामी ३२५.०० रुपया।

मैं कि विन्देश्वरी पुत्र महादेव जाति यादव साकिन चक मुन्डेरा परगना व तहसील चायल जिला इलाहाबाद का हूँ। जो कि मैं बमूल मातादबल व बच्चन व रामप्रताप वगैरह के भूमिधरी नं०६८ व ७१ व ७४ वाके चक मुन्डेरा तहसील चायल जिला इलाहाबाद के हिस्सेदारान थे और बजरिये बटवारा खानगी नं० ६८ वाके चक मुन्डेरा परगना व तहसील चायल जिला इलाहाबाद मेरे व बच्चन व राम प्रताप के हिस्से में आई बादहू ६८ नंबर बट कर मुझको निस्फ दक्षिणी हिस्सा मिला और उत्तरी हिस्सा बच्चन व रामप्रताप को मिला। मैं अपने आराजी नं०६८ वाके चक मुन्डेरा जिसमे मुझ को १२ विस्वा जमीन मिली थी उसमे से २ विस्वा २ धूर श्री चुन्नीलाल जैन के हाथ बतारीख २ नवम्बर सन् १९६४ ई० को बेच ~~दी~~ दी है और अब बाकी उसमे ९ विस्वा १८ धूर जमीन मेरे पास बची है। चूँकि मुझे रुपये की बहुत जरुरत है और सिवाय इसके कि मैं ~~अपनी~~ अपनी उक्त बकिया भूमिधारी आराजी नं०६८ बेचूँ और कोई सूरत नही नजर आती। अतः मै बिला किसी दबाव के प्रसन्नचित्त अपनी बकिया जुज हिस्सा आराजी नं०६८ तादादी ९ विस्वा १८ धूर वाके चक मुन्डेरा तहसील व परगना चायल जिला इलाहाबाद को जिसका ब्यौरा नीचे दिया जाता है को बिलएवज मुबलिग ५००) पाँच सौ रुपया कि जिसका निस्फ २५०) दो सौ पचास रुपया होता है बदस्त श्री चुन्नी लाल जैन वल्द श्री अन्नू लाल जैन साकिन चाहचन्द शहर इलाहाबाद को बेचा व बय कामिल किया और आज की तारीख से अपना कब्जा व ~~व~~ दखल हटाकर खरीदार का कब्जा व दखल करा दिया अब ~~व~~ मेरा कोई हक बहिस्सा जायदाद मुबैया में बाकी न रहा खरीदार पूर्ण रुप से इसका स्वामी हो गया और जरसमन कीमत मु०५००) पाँच सौ रुपया नकद रु बरु सब रजिस्ट्रार साहेब इलाहा

क्रा०.................. ई० को श्री ....

निवासी .... जिला .... को दस्तावेज/कोर्ट फीस हेतु

हे० ए दक्षिणादीन स्टाम्प विक्रेता दीवानी कचहरी ई० न०

बाद के वसूल पाया । बस यही वसूलयाबीकाफी व वाफीहै। अगर जायदाद मुबैया बवजह नुक्स मिलकियत मेरे कब्जा खरीदार से निकल जावे तो खरीदार को हक होगा कि वह अपना जर समन बैनामा व खिसारा मेरे जात व दूसरी जायदाद से वसूल कर लेवे इसमे मुझको न कोई उज्र है और न आइन्दा को होगा । लिहाजा यह चन्द कलमा बतौर बयनामा लिख दिया कि सनद रहे वक्त जरुरत पर काम आवे। तफसील जायदाद मुबैया जो बेची गई। जुमी हिस्सा आराजी तादादी ६विस्वा १८ धूर (नौ विस्वा अठारहधूर) नबरी ६८ अड़सठ वाके चक मुन्डेरा परगना व तहसील चायल जिला इलाहाबाद जिसकी चौहद्दी निम्नलिखित है। उत्तर:- हिस्सा आराजी नं० ६८ का बच्चन व रामप्रताप का बादहू जी० टी० रोड । दक्खिन हिस्सा आराजी नं०६८ चुन्नी लालखरीदार बादहू मकान व आराजी नं०६७ चुन्नीलाल जैन खरीदार की । पूरब:- खेत हनुमान व छोटे लाल का (पच्छिम:- जमीन खरीदार । नोट:- पन्ना एक के सतर चौदह में (अठ)कटा है व पन्ना दो के सतर एक मे (ता) कटा है (द० नि०अ० बिन्देश्वरी (T.I.) टाइप कर्ता :- गणेश प्रसाद । मसविदा कर्ता -- द० Kanahiya Lal Misra Advocate 17.12.62

दिनांक - १७ सत्रह दिसम्बर सन् १९६५ ई० द० नि० अ०बिन्देश्वरी (T.I.) ग० Debi Prasad Malviya S/o Kashi Nath 534 Mahamana Malviya Nagar Allahabad - ग० परसोतम लाल सा० १०४ शहरारा बाग इलाहाबाद(द० नि० अ० बिन्देश्वरी द० नि० अ० बिन्देश्वरी [signature] 30)

ता० १७ माह दिसम्बरसन् १९६५ को श्री प्रेम चन्द्र वास्ते चुन्नीलाल निवासी चाहचन्द जिला इलाहाबाद के ~~के~~ हाथ दस्तावेजी स्टाम्प बेचा द० गोकुल प्रसादलैसन्स दार दीवानी कचहरी इलाहाबाद नं० ३९१ = ३।।) ता०१७ माह दिसम्बर सन् १९६५ को श्री प्रेम चन्द्र वास्ते चुन्नी लालनिवासीचाहचन्द जिला इलाहाबाद के हाथ दस्तावेजी स्टाम्प बेचा द० ~~व~~ गोकुल प्रसाद लैसन्सदार दीवानीकचेहरी इलाहाबाद नं०३९२ = बैनामा ५००।- फीस रजि० उजरत१-५० शब्द ६०० योग १२-५० श्री बिन्देश्वरी पुत्र श्री महादेव पैशा मजदूरी ~~निवासी~~ ११।- निवासी मौजा चक मुंडेरा शहर इलाहाबाद ने कार्यालय स०र०इलाहाबाद में आज ~~१६~~ १७ दिसम्बरसन् १९६५ ई० मध्यमें २ व ३ बजे दिन के पैश की । द० G. Swarup सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद १७-१२-६५ नि० अ०बिन्देश्वरी(Ti.) इस दस्तावेज की मजमून को सुनने व समझने के बाद इस दस्तावेज की तकमील व इसमे दिये हुये विवरणानुसार ...

श्री देवी प्रसाद मालवीपुत्र श्री काशीनाथ पेशा पेन्शनर निवासी ~~१~~ ५३४ अहियापुर शहर इलाहाबाद व श्री पुरुषोत्तम लाल पुत्र श्री जगदम्बा प्रसाद पेशा नौकरी निवासी १०४ शहरारा बाग शहर इलाहाबाद ने की। द० G. Swarup सबरजिस्ट्रार इलाहाबाद १७-१२-६५ नि०अ० बिन्देश्वरी (??) द० Debi Prasad Malviya N 0534 Mahamaira Nagar Alld. ~~[illegible]~~ परुषोत्तम लाल पहिचान के गवाहो के अंगूठे का निशान जो देखने में भले आदमी मालुम होते हैं नियमानुसार लिया गया है। द० G. Swarup S.R सबरजिस्ट्रार १७-१२-६५ बही नं०१ जि०१३२४ के पन्ना ३३ ता।३५ में नंबर ४१०६ पर अ/ज बता० २१ दिसम्बर सन् १९६५ ई० रजिस्ट्री की गई द० G. Swarup S.R

Reader

Ex—[illegible]

True copy

[signature]

SR.

19-01-01

68 का आदेश दिया

338
17-10-08
[illegible]